उत्तर प्रदेश में उदीयमान अवसरों पर संवाद

जापान के राजदूत ने माननीय मुख्यमंत्री से भेंट की
द्विपक्षीय विकास और सहयोग का मार्ग हुआ प्रशस्त

लखनऊ, 3 नवंबर, 2023:

अंतरराष्ट्रीय संबंधों को सुदृढ़ करने और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में, भारत में जापान के मा. राजदूत महामहिम हिरोशी सुजुकी के नेतृत्व में राजनीतिक सलाहकार, जापान दूतावास-श्री केंटारो ओरिटा, द्वितीय सचिव-सुश्री मायूमी त्सुबाकिमोती सहित एक उच्चस्तरीय जापानी प्रतिनिधिमंडल।ने जापान एवं उत्तर प्रदेश के बीच द्विपक्षीय संबंधों को प्रोत्साहित करने एवं निवेश के अवसरों पर चर्चा करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

जापानी प्रतिनिधिमंडल की प्रदेश यात्रा का एक और मुख्य आकर्षण 'उत्तर प्रदेश में उदीयमान अवसरों' के विषय पर एक संवाद सत्र में जापानी प्रतिनिधिमंडल का प्रतिभाग था, जो विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग हेतु परियोजनाओं का पता लगाने और बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया। इस सत्र ने विचार-मंथन, योजना बनाने और भविष्य के सहयोग के लिए मार्ग निर्धारित करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया।

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से इन्वेस्ट यूपी द्वारा आयोजित, इस संवाद सत्र का प्राथमिक फोकस जापान और उत्तर प्रदेश के बीच व्यापारिक संबंधों को स्थापित करने के साथ-साथ सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम में भारत में जापान के माननीय राजदूत, श्री हिरोशी सुजुकी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार एवं जापान की सरकार के सहयोग के एक नए युग की शुरुआत के लिए महत्वपूर्ण समय है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच बढ़ती मित्रता के कारण भारत-जापान संबंध काफी प्रगाढ़ हुए हैं।

विकास के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता पर बल देते हुए, माननीय राज्य मंत्री, औद्योगिक विकास, श्री जसवन्त सिंह सैनी ने कहा कि उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास में अग्रणी राज्य है। निवेशकों के लिए सिंगल-विंडो पोर्टल, निवेश मित्र, निवेशक प्रबंधन पोर्टल-निवेश सारथी आदि प्रारंभ करने वाला अग्रणी राज्य उत्तर प्रदेश है।

माननीय मंत्री, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत, श्री ए के शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ऊर्जा क्षेत्र में निवेश आमंत्रित करने के लिए जापानी कंपनियों को पूर्ण समर्थन हेतु आश्वस्त करती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का लक्ष्य वर्ष 2027 तक 22,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन करना है। श्री शर्मा ने घोषणा की कि राज्य सरकार पहले चरण में 4000 मेगावाट और दूसरे चरण में 3000 मेगावाट सौर ऊर्जा खरीदने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की नीति के साथ-साथ जैव ईंधन के लिए भी नीति की घोषणा की है और जल्द ही हरित हाइड्रोजन के लिए भी नीति की घोषणा की जाएगी।

पशुपालन एवं डेयरी में उपलब्ध अवसरों पर जोर देते हुए, माननीय मंत्री, पशुपालन एवं डेयरी, श्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि राज्य सरकार पशुओं के कल्याण के लिए समर्पित है और उनकी सुरक्षा व संरक्षण हेतु योजनाएं संचालित हैं।

कुबोटा एग्रीकल्चरल मशीनरी इंडिया के चेयरमैन एवं एमडी निखिल नंदा ने बताया कि कंपनी कृषि क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने, फसल बीमा योजनाएं शुरू करने और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। यह उत्तर प्रदेश में कृषि के समृद्ध भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। कुबोटा एक अनोखे मॉडल फार्म के लिए कानपुर विश्वविद्यालय के साथ सहयोग कर रही है, जिससे राज्य के किसानों को लाभ होगा।

एआरएमएस इनकॉर्पोरेशन के प्रतिनिधि ने अपनी जापानी कंपनी के माध्यम से उत्तर प्रदेश की विशाल युवा जनसंख्या को उचित कौशल प्रशिक्षण प्रदान करके रोजगार के क्षेत्र में परस्पर लाभ पर प्रकाश डाला।

ओएमसी पावर लिमिटेड के सीईओ रोहित चंद्रा ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य ग्रीन टेलिकॉम टावर विकसित करना, एमएसएमई को बढ़ावा देना, ग्रामीण प्रगति के लिए कार्य करना और राज्य में कुशल स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कार्य करना है।

प्राविधिक शिक्षा के प्रमुख सचिव एम देवराज ने कहा कि जापानी कंपनियां भी उत्तर प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की संभावना तलाश सकती हैं।

इन्वेस्ट यूपी के सीईओ श्री अभिषेक प्रकाश ने कहा कि उत्तर प्रदेश निवेश के लिए पसंदीदा स्थान बन गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश व्यापार करने के लिए सबसे आसान राज्यों में से एक है। प्रदेश में विकसित किए जा रहे विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, जैसे एक्सप्रेसवेज़, हवाई-अड्डे, औद्योगिक पार्क आदि की जानकारी देते हुए, उन्होंने कहा कि निवेशकों को आकर्षित करने के लिए एक विशेष एफडीआई नीति के साथ, राज्य दुनिया भर के निवेशकों को आकर्षित करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

जेट्रो (जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन) के मुख्य महानिदेशक, तकाशी सुजुकी ने कहा कि जापान भारत को वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में देख रहा है और उत्तर प्रदेश एक वैश्विक व्यापार केंद्र बन गया है। जापानी कंपनियों के लिए उत्तर प्रदेश निवेश के लिए सबसे पसंदीदा राज्य है।

जापानी कंपनियों (जेसीसीआईआई, कुबोटा) के प्रतिनिधियों ने राज्य में निवेश के अवसरों पर एक प्रस्तुतिकरण किया। वे भारतीय कृषि क्षेत्र में निवेश पर उत्सुकता से विचार कर रहे हैं।

ओएमसी पावर, जेबीआईसी, जेट्रो और एआरएमएस जैसी जापानी कंपनियों ने राज्य की प्रगति और विकास की अपार संभावनाओं को पहचानते हुए उत्तर प्रदेश में निवेश करने में गहरी रुचि दिखाई है। निवेश की यह उत्सुकता न केवल राज्य की आर्थिक क्षमता को दर्शाती है, बल्कि जापान और उत्तर प्रदेश के बीच मजबूत आर्थिक संबंधों और साझेदारी को भी दर्शाती है, जो विभिन्न क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग और निवेश का मार्ग प्रशस्त करती है।

वर्तमान में उत्तर प्रदेश में कार्यरत जापान की प्रमुख कंपनियों की सूची में होंडा मोटर्स, यामाहा मोटर्स, डेंसो, टोयो इंक, निसिन एबीसी लॉजिस्टिक्स, सेकिसुई डीएलजेएम मोल्डिंग, मित्सुई एंड कंपनी शामिल हैं।